हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार 23 मार्च 2026

9 सुजल ग्राम संवाद से जल प्रबंधन में जनभागीदारी बढ़ेगी : सीईओ

10 भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा जाखल रेलवे अंडरपास, 9 साल बाद भी अधूरा...

फतेहाबाद शहर में प्रोपर्टी 10 से 15 प्रतिशत तक महंगी होने के आसार

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

एक अप्रैल से जिले में जमीनों व प्लाटों के नए कलेक्टर लागू हो जाएंगे। इसे अमलीजामा पहनाने लिए जिले भर की तहसीलों में अभी से तैयारी शुरू कर दी गई है। डीआरओ शाम लाल ने सभी तहसीलदारों को आदेश दिया है कि अगले तीन दिनों में वह कलेक्टर रेट का नया प्रारूप तैयार कर लें, ताकि इसके बाद संबंधित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श कर नई दर एक अप्रैल से लागू की जा सके। जिलेभर में तहसीलदारों ने अपने रजिस्ट्री क्लर्क और सहयोगियों को ऑनलाइन अपलोड कर एक प्रारूप तैयार करने का आदेश दिया है। तहसील के एआरसी सुरेश कुमार ने कहा कि मार्च में 3-4 छुट्टियां हैं, ऐसे में प्रयास किया जा रहा है कि इस समय में नया कलेक्टर रेट तय कर दिया जाए। इस साल उम्मीद जताई जा रही है कि शहरी कलेक्टर रेट में 10 से 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा सकती है। इसमें सबसे अधिक विसंगति सेक्टर के रिहायशी क्षेत्र में है, जहां पिछले वर्ष रेटों के फर्क को दूर किया जाएगा।

जिलेभर की तहसीलों में फतेहाबाद, टोहाना, रतिया और उप तहसील भुना, भट्टू शामिल है। सभी तहसीलदारों द्वारा अपना अलग-अलग तरीके से कलेक्टर रेट वहां की मौजूदा डिमांड और बिक्री के अनुरूप सेट किया जाना है, जिसके अनुरुप की पूरे साल जमीनों की खरीद फरोख्त की जाएगी। इसके लिए मार्केट रेट, प्रॉपटी डीलर, सरकारी और आवासीय सुविधाओं सहित विभिन्न तरीके से सर्वे का कार्य किया जाएगा, जिसके बाद फाइनल रिपोर्टर तैयार की जाएगी। जिसे एनआईसी की वेबसाइट पर डाला जाएगा। आपत्तियों के बाद फाइनल टच डीसी की मौजूदगी वाली कमेटी में दिया जाएगा।

नए कलेक्टर रेट एक अप्रैल से होंगे लागू, सभी तहसीलदारों को दिए रेट अपलोड करने के आदेश

फतेहाबाद। हिसार रोड पर स्थित अल्फा सिटी। फाइल फोटो

कालोनाइजर जमीन की खरीद फरोख्त कर रहे

जिले में तेजी से कालोनाइजर कालोनियां विकसित कर किसानों से जमीन खरीद रहे है। जिले के हर हिस्से में बाहरी क्षेत्रों में कालोनियों के लिए धड़ल्ले से जमीन की खरीद फरोख्त की जा रही है। जिसके कारण खेती की जमीनों पर प्लाट कटने की वजह से भाव भी आसमान छू रहा है, लेकिन कलेक्टर रेट काफी कम है। इसलिए इस बार इन जमीनों का भी सर्वे कराया जा रहा है। पुरानी रजिस्ट्रियों को आधार बनाकर ग्रामीण हिस्से की खेती की जमीन और खरीद फरोख्त वाली जमीनों के रेट में भी वृद्धि संभव है।

पक्के की बजाय कच्चे में देना पड़ रहा रजिस्ट्री का पैसा

तहसील के कर्मचारी ने बताया कि इस बार रेट में बढ़ोतरी संभव है, क्योंकि पिछले सालों में प्रॉपर्टी का रेट मामूली तौर पर बढ़ा है। पिछले साल करीब सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, जो बहुत कम है। लेकिन इस बार यह 15 प्रतिशत तक होने की संभावना है। क्योंकि मार्केट रेट हर हिस्से में बढ़ चुका है, जिसके कारण खरीदारों को ब्लैक में पैसा अधिक देना पडता है और रजिस्ट्री में अमाउंट काफी कम होता है। ऐसे में नंबर एक का पैसा भी नंबर दो में लोगों को चुकाना पड़ता है, जिससे उन्हें दोहरा नुकसान होता है। इसलिए इस बार इन पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

बातचीत के बाद ही लागू किया जाएगा रेट

तहसीलदारों को तैयार करने का आदेश दिया है, नया कलेक्टर रेट फिलहाल एक अप्रैल से लागू करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए सभी तहसीलदारों को आदेश जारी किया गया है। कलेक्टर रेट तैयार होने के बाद संबंधित अधिकारियों से विचार विमर्श किया जाएगा। जिसके बाद सुधार और आपत्तियां पूरी की जाएगी। डीसी की मौजूदगी में रेट फाइनल किया जाएगा। **-श्याम लाल,** डीआरओ फतेहाबाद

खबर संक्षेप

टास्क के नाम पर महिला से लाखों हड़पे, युवक काबू

फतेहाबाद। टेलीग्राम टास्क के नाम पर महिला से लाखों रुपये हड़पने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को काबू किया है। युवक पहचान जावेद हुसैन पुत्र मोहम्मद हुसैन निवासी किशनगढ़, जिला अजमेर के रूप में हुई। आरोपी से 5 हजार रुपये की नगद राशि बरामद की गई है। इसी मामले में एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि इस बारे अनुप्रिया पत्नी अमित निवासी शिव नगर, फतेहाबाद ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई थी।

पुलिस ने पीड़ित को वापस दिलवाए 40 हजार रुपये

फतेहाबाद। थाना सदर रतिया पुलिस ने साइबर फ्रॉड के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को 40 हजार की राशि वापस दिलवाकर राहत प्रदान की है। साइबर हेल्प डेस्क इंचार्ज पीएसआई अनिल कुमार ने बताया कि इस बारे भारती निकेतन स्कूल, रतिया के प्रिंसीपल सुनील कुमार ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में कहा था कि उनके साथ साइबर ठगी के माध्यम से 40 हजार की धोखाधड़ी हुई थी। शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत आवश्यक तकनीकी एवं कानूनी प्रक्रिया शुरू की।

महिला से सोने की बाली छीनने के दो आरोपी काबू

फतेहाबाद। एक बुजुर्ग महिला से सोने की बाली छीनने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर रतिया पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को काबू किया है। इसी मामले में एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना सदर रतिया के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि गांव हड़ौली निवासी महिला भागवंती पत्नी स्वर्गीय तारा सिंह ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। अपनी शिकायत में महिला ने बताया कि 18 मार्च को वह अपने घर पर अकेली बैठी थी। इसी दौरान उसका पोता सतनाम उसके पास आया और कुछ समय बातचीत करने के बाद अपने दो साथियों को बुला लिया। कुछ देर पश्चात दोनों युवकों ने अचानक उसके कानों पर झपट्टा मारकर दाहिने कान की सोने की बाली छीन ली।

दूसरा गैस सिलेंडर लेने के लिए देना होगा पहले का नंबर, अन्यथा नहीं मिलेगी गैस

कालाबाजारी रोकने के लिए सख्ती, ग्रामीण क्षेत्रों में अब 25 की बजाए 45 दिनों में होगी बुकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर में बढ़ रही किल्लत को कम करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सिलेंडर की समय सीमा को बढ़ाकर 25 दिन की बजाय 45 दिन कर दिया गया है। वही शहरी उपभोक्ताओं के लिए समय सीमा 25 दिन ही रहेगी। कालाबाजारी रोकने के लिए अब गैस एजेंसियों के द्वारा पुराने नियम को सख्ती से लागू कर दिया गया है, जिसमें अब उपभोक्ताओं को जो सिलेंडर दिया जा रहा है। अगला सिलेंडर को भरवाते समय वही सिलेंडर नंबर होना चाहिए अगर सिलेंडर नंबर दूसरा है तो उसे सिलेंडर नहीं मिलेगा। जिले में गैस की समस्या बढ़ती ही जा रही है। क्योंकि रविवार को शहर की एजेंसियों ने सिलेंडर बुक नहीं किए। गैस एजेंसी के पास सिलेंडर का स्टॉक नहीं होने कारण से कोई बुकिंग नहीं हुई, जिस कारण से एजेंसी ने सिर्फ केवाईसी का ही कार्य किया। गैस एजेंसी संचालकों ने बताया कि अभी ऑयल कंपनी के द्वारा गैस कटौती के आदेश दिए गए है।

रतिया। बंद पड़ी गैस एजेंसी के बाहर चस्पा पोस्टर। फोटो : हरिभूमि

शहरी क्षेत्र के लिए समय सीमा 25 दिन

जिले में गैस कंपनी की कटौती किए जाने पर अब ग्रामीण क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग की समय सीमा भी बढ़ाई गई है। जिस कारण से अब इन उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग जहां 25 दिन में किया जा रहा था। वही अब उसे बढ़ाकर 45 दिन कर दिया गया है। जिससे अब इन उपभोक्ताओं को अगला सिलेंडर 45 दिन बाद मिलेगा। वही शहरी क्षेत्र के लिए समय सीमा 25 दिन ही रखी गई है, जिससे शहरी उपभोक्ताओं को पहले की तरह उसी समय पर बुकिंग की जा सकेगी।

गैस न होने के चलते भारत गैस एजेंसी बंद गैस खत्म होने का पोस्टर चस्पाया

रतिया। क्षेत्र में गैस की कमी से जहां गैस उपभोक्ता परेशान है वही गैस एजेंसी संचालक भी गैस की सप्लाई न आने के कारण अब एजेंसी को बंद करने को मजबूर है। गैस की सप्लाई न होने के कारण रविवार को जिले के शहर रतिया में भारत गैस एजेंसी ने अपनी एजेंसी को बंद करके बार शट्टर पर गैस खत्म होने का पोस्टर चस्पा दिया। उन्होंने पोस्टर में गैस उपभोक्ताओं को बताया कि गैस सिलेंडर की सप्लाई नहीं है इसलिए सिलेंडर सोमवार सुबह को मिलेंगे और पर्ची भी सोमवार को काटी जाएगी। एजेंसी के बंद होने के बाद गैस उपभोक्ताओं में भी काफी निराशा देखी गई। गैस उपभोक्ताओं ने कहा कि वह सुबह ही गैस लेने के लिए एजेंसी के बाहर पहुंच गए थे लेकिन एजेंसी कर्मचारियों ने गैस खत्म होने की बात कहकर एजेंसी का शट्टर बंद कर दिया है। हालांकि इंडेन गैस एजेंसी द्वारा गैस सिलेंडर वितरित किए गए। भारत गैस एजेंसी के कर्मचारी रामनिवास ने बताया कि उनके पास गैस की सप्लाई नहीं है जिसके चलते मजबूर उन्हें एजेंसी को बंद किया है। गैस उपभोक्ता परेशान ना हो इसलिए उन्हें जानकारी देने के लिए पोस्टर भी चस्पाया है।

ये है नया नियम

जिले में कालाबजारी को रोकने के लिए अब गैस एजेंसियों के द्वारा एक नई शर्त को जोड़ा गया है। जिस कारण इस शर्त से जहां कालाबाजारी को रोकने में कामयाबी मिलेगा। वही ग्रामीण क्षेत्र के भाई चारे में परेशानी होगी, क्योंकि वहां खुद का सिलेंडर खत्म होने पर पड़ोसी से किसी ओर से सिलेंडर मांग कर काम चला लेते है। बालाजी गैस एजेंसी के संचालक राजेंद्र खिंची ने बताया कि जो उपभोक्ता अब जो सिलेंडर लेकर जाएगा उसे वहीं सिलेंडर जमा करवाना होगा।, क्योंकि दिए जा रहे सिलेंडर का सीरियल अब नोट किया जा रहा है।

डिमांड 6500 सिलेंडर बुकिंग 5200

जिले में हर रोज सिलेंडर बुकिंग कराने के लिए सैकड़ों की संख्या में लोग लाइन में लग कर अपनी गैस बुकिंग करवा रहे है, लेकिन उन्हें गैस नहीं मिल पा रही है। आम रूटीन में जिले में गैस सिलेंडर की डिमांड जहां 6500 सिलेंडर थी। वहीं अभी गैस बुकिंग 5200 से अधिक नहीं हो पाई है, जिस कारण से हर रोज जिले में 1300 सिलेंडर की डिमांड बढ़ती जा रही है। इसी कारण से हर रोज लाइन में लगने से उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है।

कमर्शियल सिलेंडरों की कमी से प्रतिष्ठान बंद होने के कगार पर

हलवाई यूनियन ने बैठक कर जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के चलते समूचे विश्व में तेल, ऊर्जा आदि की कमी का प्रभाव अब जिले में स्पष्ट नजर आने लगा है। हालांकि राज्य सरकार व स्थानीय प्रशासन की ओर से आमजन को तेल, गैस आदि की पर्याप्त उपलब्धता के सिलसिले में तमाम वायदे किए जा रहे हैं मगर इन वायदों के बीच ही कहीं न कहीं गैस सिलेंडरों की कमी का व्यापक असर सामने नजर आ रहा है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गैस सिलेंडरों पर आधारित छोटे कारोबार पूरी तरह से ठप हो गए हैं। शहर में अधिकांशतः चाय वाले खोखे, रेहड़ियों पर छोले भटूरे, समोसे, पकौड़े, फास्ट फूड आदि का काम करने वाले कारोबारियों को अपना धंधा ही बंद करने पर मजबूर होना पड़ा है। शासन बेशक बढ़ चढक़र पर्याप्त मात्रा में स्टॉक होने का दावा करता है मगर धरातली हकीकत इसके ठीक विपरीत है। गैस सिलेंडरों की कमी के बीच ही हरियाणा प्रदेश हलवाई यूनियन के स्थानीय पदाधिकारियों व सदस्यों ने भी बैठक कर मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंतन किया।

नहीं मिल रहे कमर्शियल सिलेंडर

यूनियन के जिला प्रधान राजेश चावला व महासचिव ललित मोहन शर्मा की संयुक्त अध्यक्षता में अन्य सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि उनका कारोबार पूरी तरह से बड़े कमर्शियल सिलेंडर पर आधारित है। आलम ये है कि शासन की ओर से बड़े कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है और यदि वे घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं तो संबंधित विभाग उनके खिलाफ चालान व जुर्माने की कार्रवाई करता है, ऐसे में वे पसोपेश की स्थिति में हैं कि आखिर अपने कारोबार को कैसे बनाएं रखें?

निर्धारित हों 15 सिलेंडर

बैठक में हलवाई यूनियन के पदाधिकारियों ने उपायुक्त व अन्य प्रशासनिक तंत्र से विनम्र अपील की कि यूं तो उनके प्रतिष्ठान में मिष्ठान आदि बनाने के लिए व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की अधिकाधिक जरूरत रहती है मगर संकट के इस समय गैस सिलेंडरों पर आधारित उनके व्यवसाय को देखते हुए प्रत्येक हलवाई को एक माह में 15 कमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जाएं ताकि उनका कारोबार प्रभावित न हो और वे शहरवासियों को भी बेहतर सेवाएं दे सकें।

खाद्य आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के आदेशों की हो रही पालना

गैस सिलेंडरों की व्यापक कमी के बीच जब शहर की एक प्रमुख गैस एजेंसी संचालक से इस सिलसिले में शासकीय नियमों निर्देशों बारे जानकारी ली गई तो बताया गया कि सभी एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि जब तक जिला खाद्य आपूर्ति कार्यालय की ओर से कोई पर्ची बनकर उनके पास न पहुंचे तब तक किसी भी वर्ग को बड़े कमर्शियल सिलेंडर दिए जाएं। एजेंसी संचालक ने स्पष्ट कहा कि इस समय ज्यादातर उन्हीं लोगों के लिए विभाग की पर्ची बन रही है जिन घरों में शादी कार्यक्रम हो अथवा किसी डिफेंस पर्सन के लिए आवश्यक हो।

चूरापोस्त सहित दो युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में दो युवकों चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। एएनसी सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि एएसआई सुमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम नशे की रोकथाम हेतु गश्त पर थी। इसी दौरान जब पुलिस पार्टी गांव बड़ोपल से फतेहाबाद की ओर आ रही थी, तो गांव धांगड़ के बस अड्डा के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर घबराकर खेतों की ओर तेज कदमों से जाने लगा। शक के आधार पर पुलिस टीम ने उसे काबू कर पूछताछ की। आरोपी की पहचान दलजीत उर्फ निक्का पुत्र संतूराम निवासी किली निहाल सिंह वाला, जिला बठिंडा, पंजाब के रूप में हुई। पुलिस ने जब युवक की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 3 किलो 100 ग्राम चूरा पोस्त बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर थाना सदर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दूसरे मामले में सीआईए फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि एएसआई राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गश्त एवं अपराध जांच के दौरान मताना मोड़, फतेहाबाद क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति नशा तस्करी में संलिप्त है और नए बस अड्डा फतेहाबाद के पास चाय के खोखे के समीप डोडा पोस्त लेकर खड़ा है। सूचना के आधार पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया, जो पुलिस वाहन को देखकर घबराकर पीछे की ओर जाने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे काबू कर पूछताछ की। आरोपी की पहचान मग्घर सिंह पुत्र नछत्तर सिंह निवासी टलेवाल, जिला बरनाला के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 4 किलो 200 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

फतेहाबाद। चूरापोस्त सहित गिरफ्तार तस्कर।

ससुराल जा रही मां बेटा ट्रेन से गायब

सिरसा। हिसार रेलवे स्टेशन से सिरसा ससुराल जाने के लिए ट्रेन में बैठी 22 वर्षीय विवाहिता अपने डेढ़ साल के बेटे के साथ संदिग्ध हालात में लापता हो गई। विवाहिता की मां ने खुद उन्हें प्लेटफॉर्म नंबर-2 से ट्रेन में बैठाया था, लेकिन दोनों अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचे। मामले में जीआरपी थाना हिसार ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एफआईआर के अनुसार, हिसार के संजय नगर निवासी रोशनी ने बताया कि उसने अपनी बेटी मनीषा (22) और उसके डेढ़ साल के नातिन को हिसार रेलवे स्टेशन से सिरसा जाने वाली ट्रेन में बैठाया था। इसके बाद वह घर लौट आई, लेकिन जब बेटी सिरसा नहीं पहुंची और उसका मोबाइल फोन भी बंद आने लगा तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। रोशनी ने बताया कि, बेटी की सिरसा में रानियां गेट के पास शादी हुई है। दामाद मजदूरी करते हैं।

- **सिरसा रेलवे स्टेशन पर पति करता रहा इंतजार**

सीएम विंडो पर झूठी रिपोर्ट लगाने का आरोप

सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जलभराव से छात्र परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव बनगांव के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिससे विद्यार्थियों और स्टाफ को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या के समाधान के लिए सीएम विंडो पर कई बार शिकायत करने के बावजूद अधिकारियों द्वारा सही कार्रवाई करने के बजाय बार-बार झूठी रिपोर्ट लगाकर शिकायत को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार बरसात के दिनों में स्कूल के आसपास पानी की निकासी का उचित प्रबंध नहीं होने के कारण स्थिति और गंभीर हो जाती है। बारिश के दौरान स्कूल के साथ लगती सडक़ पर करीब चार से पांच फीट तक पानी जमा हो जाता है। यह पानी धीरे-धीरे स्कूल परिसर और कक्षा कक्षों में घुस जाता है, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में काफी परेशानी होती है। इस समस्या को लेकर 16 जुलाई 2025 को सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि उस समय अधिकारियों की ओर से रिपोर्ट लगाई गई कि स्कूल में पानी की निकासी के लिए खाल का निर्माण करवा दिया गया है और स्कूल परिसर में मिट्टी भराई का कार्य भी पूरा कर दिया गया है। हालांकि ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर ऐसा कोई काम नहीं हुआ और समस्या जस की तस बनी रही।

स्कूल में भरा पानी। फाइल फोटो

2025 में दूसरी बार दर्ज करवाई आपत्ति

इसके बाद 11 अगस्त 2025 को शिकायतकर्ता ने दोबारा अपनी आपत्ति दर्ज करवाई। इस बार अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि स्कूल में न तो मिट्टी भराई का कार्य हुआ है और न ही पानी निकासी के लिए कोई व्यवस्था बनाई गई है। इससे ग्रामीणों में अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हो गए।

जीवन ज्योति तथा पीएम सुरक्षा बीमा योजना

आपदा के समय परिवार को मिलती है दो लाख की वित्तीय मदद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना नाममात्र दर पर नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है। इन योजनाओं के फार्म प्रत्येक बैंक व डाकघर में उपलब्ध हैं। इन योजनाओं में निर्धारित वार्षिक प्रीमियम जमा करवा कर दो लाख रुपये तक का बीमा होता है।केंद्र सरकार ने प्रत्येक बैंक उपभोक्ता को जीवन सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने के लिए दो स्कीम चलाई हुई हैं। सामाजिक सुरक्षा योजना सामान्य परिवार को मुश्किल की घड़ी में आर्थिक मदद से मजबूत बनाती है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष आयु के व्यक्ति नामांकन करवा सकते है। योजना के तहत 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा करवाना होता है तथा इससे 2 लाख रुपये के जीवन बीमा का संरक्षण मिलता है। इस योजना के तहत 18 से 70 वर्ष तक के नागरिक अपना दुर्घटना बीमा करवा सकते हैं। केवल 20 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर इस योजना में दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा संरक्षण प्राप्त होता है।

दो किसानों ने यू-ट्यूब से सीख कर बिना केमिकल गुड़ बनाया, रोज 15 क्विंटल की बिक्री, शुद्धता बनी पहचान

गेहूं-धान छोड़ गन्ने से बदली किस्मत, 3 महीने में 13 लाख का गुड़ बेचा

दलबीर सिंह ▶▶| भूना

परंपरागत खेती से हटकर कुछ नया करने की सोच किस तरह किस्मत बदल सकती है, इसका उदाहरण जांड़लीखुर्द गांव के किसान सुरेश कुमार पूनिया और विजय सिंह पूनिया ने पेश किया है। दोनों किसानों ने गेहूं और धान की जगह गन्ने की खेती अपनाकर न केवल अपनी आय बढ़ाई, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार का नया मॉडल भी खड़ा कर दिया।

सुरेश कुमार पूनिया ने 11 एकड़ में गन्ने की खेती की शुरुआत की। कम लागत और बेहतर मुनाफे को देखते हुए उन्होंने साथी किसान विजय सिंह पूनिया के साथ मिलकर गुड़ बनाने का कोल्हु स्थापित किया। इसके बाद दोनों ने पारंपरिक तरीके से बिना किसी केमिकल और मिलावट के शुद्ध गुड़ बनाना शुरू किया, जो देखते ही देखते लोगों की पहली पसंद बन गया। किसानों की मेहनत रंग लाई और महज तीन महीनों में ही करीब 13 लाख रुपये का गुड़ बिक गया। खास बात यह है कि गुड़ को खुले में, लोगों के सामने तैयार किया जाता है, जिससे उसकी शुद्धता पर भरोसा और बढ़ जाता है। यही वजह है कि सडक़ किनारे लगे इस कोल्हु पर हर दिन 15 क्विंटल से अधिक गुड़ की बिक्री हो रही है। बाजार में इस गुड़ की कीमत 100 रुपये प्रति किलोग्राम रखी गई है, जबकि इससे बनी शक्कर 130 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही है। किसानों का कहना है कि उनके गुड़ से बनी चाय का स्वाद भी चीनी से कहीं बेहतर होता है, जिससे ग्राहकों की मांग लगातार बढ़ रही है। विजय सिंह पूनिया ने बताया कि गुड़ बनाने का यह काम दिसंबर से शुरू होकर अप्रैल के पहले सप्ताह तक चलता है। उन्होंने यह भी बताया कि इस काम की प्रेरणा उन्हें यूट्यूब चैनल से मिली, जहां से उन्होंने गुड़ बनाने की तकनीक सीखी और उसे अपने स्तर पर अपनाया।आज ये दोनों किसान न केवल खुद आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी प्रेरणा बन गए हैं। उनकी यह पहल दिखाती है कि नई सोच और सही दिशा में मेहनत से खेती को लाभ का सौदा बनाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त कोल्हु लगाने से दर्जनों ग्रामीणों को रोजगार भी मिला है।

भूना। पारंपरिक तरीके से बिना केमिकल शुद्ध गुड़ तैयार करते हुए किसान।

जुम्मन जब हज करने गए थे, तब अपना घर अलगू को सौंप गए थे। अलगू जब कभी बाहर जाते तो जुम्मन के भरोसे अपना घर छोड़ जाते थे। उनमें न खान-पान का व्यवहार था, न धर्म का नाता, केवल विचार मिलते थे। मित्रता का मूलमंत्र भी यही है। **- मुंशी प्रेमचंद**

कहानी

डॉ. अंजना गर्ग

चार खुश औरतें

संध्या कभी-कभी सोचती- "घर तो वही है, पर अब यह सचमुच घर लगने लगा है।" अब हर दिन कोई न कोई छोटा उत्सव होता। कभी चारों मिलकर पकौड़े बनातीं। कभी पुरानी फ़िल्में देखतीं। कभी छत पर बैठकर चांद देखते हुए पुरानी बातें करतीं। मीरा ने एक दिन गिटार निकाल लिया जो वर्षों से अलमारी में पड़ा था।

कमला बोलीं, "और मुझे लगता था कि विधवा होने के बाद जीवन बस इंतज़ार बन जाता है...पर अब लगता है कि हम कोशिश करें तो जीवन का दूसरा अध्याय शुरू कर सकते हैं।"

शाम ढल रही थी। सूरज की आख़िरी किरणें कॉलोनी के बड़े-बड़े मकानों की दीवारों पर फिसलती हुई मानो यह पूछ रही थीं कि इतने विशाल घरों में आखिर इतनी खामोशी क्यों है। इनमें से एक घर में संध्या रहती थी। कभी यही घर हंसी से भरा रहता था- पति, बच्चे, मेहमान, रिश्तेदार। मगर अब संध्या के लिए यह घर जैसे एक लंबा गलियारा बन गया था, जिसमें कदमों की आवाज़ भी उसे चौंका देती थी। पति से वर्षों पहले तलाक हो चुका था। बच्चे पढ़ाई के लिए बाहर गए और वहीं बस गए। दिनभर का समय काटना उसके लिए एक पहेली बन गया था। सुबह चाय बनाती, अख़बार पढ़ती, थोड़ा सा खाना बनाती और फिर खिड़की से सड़क को देखती रहती- जैसे किसी का इंतज़ार हो, जिसका आना तय ही न हो।

एक दिन वह पास के पार्क में टहलने गई। वहीं उसकी मुलाक़ात मीरा से हुई। मीरा की आंखों में एक स्थायी थकान थी, जैसे जीवन ने बहुत जल्दी उससे कुछ छीन लिया हो। बातचीत में पता चला कि मीरा की शादी को मुश्किल से पांच साल हुए थे, जब एक सड़क दुर्घटना में उसके पति की मृत्यु हो गई थी।

मीरा ने हंसने की कोशिश करते हुए कहा, "लोग कहते हैं समय सब ठीक कर देता है...पर कुछ खालीपन ऐसे होते हैं जिनमें समय भी कदम रखने से डरता है।"

संध्या ने महसूस किया कि दोनों के बीच एक अनकहा रिश्ता बन रहा है- अकेलेपन का रिश्ता।

धीरे-धीरे पार्क में रोज़ मिलने का सिलसिला शुरू हो गया। दोनों साथ टहलतीं, कभी चाय पीतीं, कभी यूं ही बातें करतीं। एक दिन पार्क की बेंच पर बैठी दोनों बातें कर रही थीं कि पास की पगडंडी से दो महिलाएं आती दिखीं- शकुंतला जी और कमला जी। दोनों की उम्र लगभग पैंसठ के आसपास रही होगी। सफ़ेद बाल, हल्की मुस्कान और आंखों में वह गहराई जो केवल लंबे अनुभव से आती है।

किसी परिचित ने उनका परिचय करवाया। पता चला कि दोनों कुछ साल पहले ही विधवा हुई थीं। बच्चों ने बहुत कहा कि उनके साथ चलकर रहें, मगर दोनों ने मना कर दिया।

"बेटे-बहू सुबह से रात तक ऑफिस में रहते हैं। बच्चे स्कूल और ट्यूशन में। वहां जाकर भी क्या करेंगे?"

कमला जी ने हंसते हुए कहा, "यहां कम से कम अपनी मर्जी से जी रहे हैं। अपना शहर है, कुछ लोग जानकार भी हैं। वहां तो बस बच्चों की मां और सास बन कर रह जाते हैं। यहां कम से कम लोग हमें हमारे नाम से तो जानते हैं।"

उस दिन के बाद पार्क में चार औरतों की छोटी सी टोली बन गई। समय के साथ चारों की दोस्ती गहरी होती गई। हर शाम वे एक ही बेंच पर बैठतीं और जीवन की परतें धीरे-धीरे खुलती जातीं। संध्या ने एक दिन कहा, "इतना बड़ा घर है मेरा...लेकिन कई बार लगता है कि मैं किसी संग्रहालय में रहती हूं।"

मीरा ने सिर हिलाया, "मेरे घर में तो आवाज़ भी गूंजती है। कभी-कभी टीवी सिर्फ इसलिए चलाती हूं कि सन्नाटा टूटे।"

शकुंतला जी बोलीं, "बच्चे कहते हैं हमारे पास आ जाओ... लेकिन उनके जीवन में जगह कहां है?"

कमला जी ने हल्की मुस्कान के साथ कहा, "हम सबके पास घर तो बहुत बड़े हैं...पर जीवन में कुछ बचा नहीं है।"

चारों हंसीं, मगर उस हंसी में एक गहरा दर्द छिपा था।

मीरा अचानक बोली, "एक बात कहूँ...आप लोग हंसना मत।"

संध्या ने उत्सुकता से पूछा, "क्या बात है?"

मीरा ने थोड़ा झिझकते हुए कहा, "हम चारों इतने बड़े-बड़े घरों में अकेली रहती हैं...क्यों न हम सब एक ही घर में एक साथ रहें?"

तीनों एक पल के लिए चुप रह गईं।

कमला जी ने भौंह उठाई, "मतलब...हम चारों एक घर में एक साथ?"

मीरा ने कहा, "हाँ...सोचिए। चार घरों का खर्चा, चार नौकर, चार किचन... और चारों में अकेलापन। अगर हम एक घर में रहें तो?"

शकुंतला जी की आंखों में चमक आ गई। "और बाकी घर किराये पर दे दें!"

संध्या अचानक हंस पड़ी। "और जब बच्चे आएं तो होटल में ठहर जाएं... किराये के पैसे से आराम से हो जाएगा!"

चारों ज़ोर से हंस पड़ीं। पर धीरे-धीरे यह मज़ाक एक गंभीर विचार में बदल गया। कुछ हफ्तों की चर्चा के बाद उन्होंने फैसला कर लिया। संध्या का घर सबसे बड़ा था और पार्क के भी सबसे करीब। इसलिए तय हुआ कि वही उनका नया घर बनेगा। बाकी तीनों ने अपने-अपने घर किराये पर दे दिए। एक कुक रख लिया गया, जो सुबह-शाम खाना बना देता। एक कामवाली आकर सफ़ाई कर जाती। अब घर में चार कमरे नहीं, चार संसार थे।

पहले संध्या की सुबहें बहुत चुप होती थीं। अब सुबह होते ही किचन से आवाज़ आती- "कमला जी, चाय में चीनी कम रखूं?"

"अरे नहीं, आज थोड़ी ज़्यादा...आज मेरा मूड अच्छा है!"

मीरा योगा मैट लेकर आंगन में बैठ जाती।

शकुंतला जी तुलसी के पास दीया जलातीं।

संध्या कभी-कभी सोचती- "घर तो वही है, पर अब यह सचमुच घर लगने लगा है।" अब हर दिन कोई न कोई छोटा उत्सव होता। कभी चारों मिलकर पकौड़े बनातीं। कभी पुरानी फ़िल्में देखतीं। कभी छत पर बैठकर चांद देखते हुए पुरानी बातें करतीं। मीरा ने एक दिन गिटार निकाल लिया जो वर्षों से अलमारी में पड़ा था।

कमला जी ने कहा, "अरे वाह! अब तो हमारे घर में संगीत भी होगा।" शकुंतला जी ने हंसते हुए कहा, "और मैं श्रोता बनूंगी!" कुछ हफ्तों बाद जब बच्चों को पता चला कि उनकी मांएं एक साथ रहने लगी हैं तो वे थोड़ा हैरान हुए।

संध्या की बेटी ने फोन पर कहा, "मां, आपको अजीब नहीं लग रहा अनजान औरतों के साथ?"

संध्या मुस्कुराई, "अनजान? अब तो हम इतना धमाल करते हैं कि लगता है जैसे बरसों से जानते हैं। इतना शोर रहता है कि कभी-कभी शांति ढूंढनी पड़ती है।"

मीरा के बेटे ने पूछा, "मां, जब हम आएंगे तो कहां रुकेंगे?"

मीरा ने हंसते हुए कहा, "पास के होटल में। वैसे भी तुम लोग दो-तीन दिन ही रहते हो।"

फोन के उस पार कुछ पल चुप्पी रही...फिर दोनों हंस पड़े।

धीरे-धीरे उनकी यह व्यवस्था पूरे मोहल्ले में चर्चा का विषय बन गई। लोग कहते, "देखो, इन चारों ने अकेलेपन का कितना सुंदर हल ढूंढ लिया।"

कभी-कभी पड़ोस की महिलाएं भी चाय पीने आ जातीं। एक दिन पार्क में बैठी संध्या ने कहा, "पता है...पहले मैं हर दिन बच्चों का इंतज़ार करती थी और उनकी छुट्टियों को कैलेंडर पर निशान लगा कर दिन गिनती रहती थी। अब समय ही नहीं मिलता इंतज़ार करने का।"

कमला जी बोलीं, "और मुझे लगता था कि विधवा होने के बाद जीवन बस इंतज़ार बन जाता है...पर अब लगता है कि हम कोशिश करें तो जीवन का दूसरा अध्याय शुरू कर सकते हैं।"

मीरा ने आसमान की ओर देखते हुए कहा, "शायद जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा वही होता है जो हम खुद लिखते हैं।"

एक शाम चारों छत पर बैठी थीं। हवा हल्की ठंडी थी। दूर कहीं मंदिर की घंटियां बज रही थीं।

संध्या ने चारों की तरफ देखा और धीरे से कहा, "हम चारों पहले अलग-अलग घरों में चार उदास औरतें थीं...अब एक घर में चार खुश औरतें हैं।"

शकुंतला जी ने मुस्कुराकर कहा, "क्योंकि अब यह घर चार दीवारों का नहीं...चार दिलों का है।"

कमला जी ने चाय का कप उठाया, "और यह हमारी दोस्ती के नाम।"

मीरा ने हंसते हुए कहा, "और हमारी आज़ादी के नाम।"

चारों के कप आपस में टकराए। नीचे सड़क पर वही पुरानी खामोशी थी, वही बड़े-बड़े मकान थे। लेकिन इस घर की छत पर अब अकेलापन नहीं रहता था। क्योंकि यहां चार औरतों ने मिलकर यह साबित कर दिया था कि साथ सिर्फ रिश्तों से नहीं, अच्छे निर्णयों से भी बनाया जा सकता है।

पुस्तक समीक्षा

दर्शन, मनोविज्ञान और अन्तर्बोध की लघुकथाएं

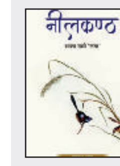

समीक्षक

बलराम अग्रवाल

'नीलकंठ' सुपरिचित साहित्यकार आशा खत्री 'लता' की 81 लघुकथाओं का संग्रह है। पुस्तक के प्रारम्भ में भूमिकास्वरूप लिखित 'मन की बात' के अन्तर्गत 'बालमन की कामना-सी सुन्दर दुनिया की कामना' में उन्होंने कुछ उल्लेखनीय बातें कही हैं। यथा-'जब विसंगतियों का विष हृदय में हलचल मचाता है, जीने नहीं देता; तो कलम के सिपाही शब्दों से उस सौभाग्य की रचना करने का प्रयास करते हैं जो इस विष को अमृत में बदल सके, इससे छुटकारा दिला सके।' 'आज का दौर भूख, अभावों का दौर नहीं है; बल्कि आज का दौर आर्थिक असामनता, चारित्रिक स्खलन, सांस्कृतिक ह्रास का युग है।'; 'सामाजिक स्तर पद और पैसे से आंका जाने लगा है।' यूं तो इसमें बहुरंगी कथानक हैं तथापि अधिकतर कथानक 'बेटी' से जुड़े हैं जो कथानुरूप कभी सुख की तो कभी अफसोस की अनुभूति कराते हैं।

आशा खत्री 'लता'

लेखिका

लघुकथा 'सच्चा झूठ' की बंटी (महरी) प्रधानमंत्री द्वारा नोटबंदी की घोषणा से अति प्रसन्न है। इसलिए नहीं कि इससे उसे कोई नया रोजगार मिलने वाला था; बल्कि इसलिए कि नोटबंदी की घोषणा से उसके श्रम का शोषण करने वाले धनिकों के सीने पर सांप लोटने वाला था, उनका आर्थिक नुकसान होने वाला था। ससुराल में हुई बेटी की हत्या का 'मुजरिम' उसकी बूढ़ी माँ अपने बेटे को भी ठहराती है क्योंकि पढ़ा-लिखा होने के बावजूद उसने अपनी बहन को नैतिक सहारा नहीं दिया।पूजा की भेड़चाल पर तीखी टिप्पणी है, 'भक्ति'। 'पोती का जन्मदिन', 'चोरी पकड़ी गई', 'प्रेम का दर्द' और 'प्रेम' को हिन्दी की श्रेष्ठ लघुकथाओं में गिना जा सकता है। जज को नीर-क्षीर विवेक वाले कैसे चरित्र का व्यक्ति होना चाहिए—इस सत्य की प्रतीति लघुकथा 'मान' में देखने को मिलती है। 'दरिंदगी से तो बच गयी' दिल को दहला देने वाला कथानक प्रस्तुत करती है।

'वह जरूर याद आती है' जैसे जिज्ञासापरक और'कल की दुनिया कैसी होगी' जैसे सीधे प्रश्नपरक शीर्षक भी पुस्तक में हैं। लेखिका को इन जैसी लघुकथाओं के शीर्षक में किंचित कलात्मकता का संचार करने के बारे में भी सोचना चाहिए था। पुस्तक में 'राजा का कर्त्तव्य' सरीखी दृष्टांत अथवा उपदेश शैली की भी अनेक लघुकथाएं हैं। पुस्तक में जो बात सबसे अधिक अखरती है, वह है व्याकरण चिह्नों की अनदेखी और प्रूफ की गलतियां।

कवि कॉर्नर

कविता | **डा. तबस्सुम जहां**

मुट्ठी भर आकाश

मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए,
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

तिनके भर उम्मीदें बची थीं
नन्हे दिल के घोंसले में,
और अपने पंख कतर दिए
तुम्हारी उड़ानों के लिए।
मुट्ठी भर...
तुम्हें देने के लिए,
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

देखो, दूर क्षितिज जो
झिलमिला रहा है।
उन हसीं पलो की हमें
याद दिला रहा है
फ़रि सर्द बयार चली
हमें मिलाने के लिए।
मुट्ठी भर...

लकीरों-सा हथेली पर
नर्म मख़मली स्वप्न सेज पर
कभी लाई थी एक इंद्रधनुष
तुम्हारे बिछावन के लिए।
और...
मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

जो सहा वे नहीं था
मेरे सहने के लिए
तुम्हारा होना काफ़ी था
मेरे जीने के लिए
मुट्ठी भर आकाश रखा था
तुम्हें देने के लिए
अब कुछ नहीं शेष
तुमसे कहने के लिए।

कविता | **भूमिका**

एक लड़की का सपना

कोई कितने बड़े भी सपने क्यों न हों,
मेरे पूरे हों ये हर कोई सोचता है,
शायद लड़कियों के सपने नहीं होते हैं,
मगर मैं बताती हूं मेरा एक छोटा सा सपना है,
कि मैं इंजीनियर बनूं और जग में नाम
रोशन करूं,
इसको पूरा करने के लिए पूरा जी जान
लगाऊँ,
और सपने पूरा करके सबको मैं दिखलाऊँ,
फिर लड़कियों के लिए मैं एक मिसाल
बन जाऊं।।

मनोरंजक | **चुगली चर्चा महिलाओं का मुख्य शौक है तो गप्पबाजी में पुरुषों का वर्चस्व रहता है**

आयोजन एक गप्प प्रतियोगिता का

व्यंग्य | **बलदेव राज भारतीय**

गप्पबाजी का जो टैलेंट हमारे देश के नेताओं में है, वह दुनिया के किसी और देश के नेताओं में नहीं मिल सकता। हां, पाकिस्तान के नेता जरूर टक्कर दे सकते हैं।

गप्पबाजी अपने आप में एक संपूर्ण कला है। यह चुगली चर्चा की तरह लोकप्रिय है। चुगली चर्चा महिलाओं का मुख्य शौक है तो गप्पबाजी में पुरुषों का वर्चस्व रहता है। यद्यपि कई महिलाएं भी गप्पबाज़ी में पुरुषों को टक्कर देती हुई देखी जा सकती हैं परंतु यह वास्तव में पुरुषों का महत्वपूर्ण शौक है। कुछ लोग इस कला में बहुत ही माहिर होते हैं। हमारे मोहल्ले के पप्पू को तो जानते ही हैं आप। अरे ! वही पप्पू जो पिछले कई साल से एक ही कक्षा में फेल होता रहा और पिछली बार कोरोना के कारण बेचारा आखिर पास हो ही गया। उसका एक छोटा भाई है नाम है गप्पू। गप्प हांकने की कला में इतना माहिर है कि सब लोग उसके आगे-पीछे घूमते रहते हैं, गप्प सुनने के लिए नहीं बल्कि उसकी बातों से रस लेने के लिए। रस लेने पर सरकार ने टैक्स थोड़े ही लगाया है, आप भी लीजिए। एक दिन सुबह सुबह मुझसे टकरा गया। मैंने बचने की लाख कोशिश भी की। मगर दुर्भाग्य से बच ना सका। कहने लगा, ' मास्टर जी! गप्पबाजी एक मनोरंजक और ऊर्जा स्फूर्ति देने वाला काम है। आप तो देश भर के अखबारों में लिखते रहते हो। क्यों न गप्पबाजी के विषय में कुछ लिखो?' मैंने कहा, 'गप्पबाजी के विषय में क्या लिखा जा सकता है गप्पू?'

'कमाल है मास्टर जी! लेखक आप बने फिरते हो। पूछ मुझसे रहे हो कि क्या लिखूं? फिर भी बता दूं कि यदि देश में गप्पबाजी का मुकाबला करवाया जाए तो एक दो मेडल तो आपका यह गप्पू भी जीत लेगा।' कहते हुए गप्पू के चेहरे की चमक बढ़ गई। 'इतना विश्वास है तुम्हें अपने ऊपर!' मैंने पूछा- 'हां, लोग कहते हैं कि गप्पबाजी में पूरे देश में मेरा मुकाबला कोई नहीं कर सकता।' 'गप्पू! तुम लोगों की बातों में आ रहे हो। लोग तुम्हें मसरी के पेड़ पर चढ़ा रहे हैं और तुम चढ़े जा रहे हो। तुम्हें हकीकत पता भी है कि अगर मुकाबला हो गया तो तुम अपना नाम ढूंढते रह जाओगे। गोल्ड मेडल तो क्या, पहले एक लाख लोगों में भी तुम्हें अपना नाम ढूंढे नहीं मिलेगा। मसरी के पेड़ से ऐसे गिरोगे बच्चे कि कोई हड्डी भी साबुत नहीं बचेगी।' 'क्या बात करते हो मास्टर जी! वो क्या कहते हैं आप मुझे अंडर एस्टीमेट कर रहे हो या फिर आप जलते हो मुझसे! कि कहीं मैं आप से ज्यादा लोकप्रिय न हो जाऊं। इस दुनिया में आप अकेले नहीं हो लिखने वाले। आप से भी बड़े बड़े सूरमाओं से मेरा परिचय है। मुझे घर बुलाकर चाय भी पिलाएंगे और मेरे गप्पबाजी के आयोजन की बात को देश के सभी अखबारों में भी लगवाएंगे। अच्छा तो जय राम जी की, हम चलते हैं उनके पास!'

'अरे यार! तुम भी कमाल हो। मैं तुम्हें अंडर एस्टीमेट नहीं कर रहा हूं। पर क्या तुम इस देश के छोटे से छोटे नेता और उनके चमचों को गप्पबाजी में हरा पाओगे? शायद नहीं। गप्पू नाम होने से कुछ नहीं होता। गप्पबाजी का जो टैलेंट हमारे देश के नेताओं में है, वह दुनिया के किसी और देश के नेताओं में नहीं मिल सकता। हां, पाकिस्तान के नेता जरूर टक्कर दे सकते हैं।... और उनसे हम कभी हारना पसंद नहीं करते। उनसे तो हमारे देश के नेताओं के चमचे भी मुकाबला करें तो हम उन्हें भी न हारने दें। आखिर बाप-बाप होता है और बेटा बेटा।'

'मास्टर जी! आप ही तो कहते हैं कि जब मन में कुछ करने की इच्छा हो तो उसे कर लेना चाहिए। हार-जीत तो जीवन का हिस्सा होती है। बस आप मुकाबले के लिए एक विज्ञापन सारे देश के अखबारों में छपवा ही दीजिए।' 'अरे बुद्धू! विज्ञापन के लिए इतना पैसा कहां से लाओगे? तुम ओखली में सिर देना ही चाहते हो तो मुझे क्या? पर अपनी जेब का तो ख्याल कर लो। मैं एक लेख के माध्यम से सारे देश के गप्पबाजों को न्योता दे दूंगा। बस तुम गप्पबाजी की प्रतियोगिता के लिए स्थान और समय निश्चित कर मुझे बता दो।' 'मास्टर जी, निश्चित क्या करना? आप अपने स्कूल का पता दे दीजिए।'

'वाह गप्पू वाह! प्रतियोगिता करवाओ तुम और अखाड़ा बनाओ मेरे स्कूल को। मैं इसमें तुम्हारे घर का पता दे रहा हूं! तुम्हें भी पता चले कि किसी प्रतियोगिता का आयोजन करना कितना मुश्किल होता है? तुम्हें पता तो चले बड़ी-बड़ी गप्प हांकने का।'

'मास्टर जी, आप रहने दीजिए। मुझे नहीं करवानी कोई प्रतियोगिता! आप सही कहते हो, मैं कभी नहीं जीत सकता इस देश में नेताओं के होते हुए।' 'नहीं गप्पू! अब तुम अपने आप को अंडर एस्टीमेट न करो। क्या होगा जो कुछ लोगों के चाय-पानी का प्रबंध तुम्हें करना भी पड़ गया! यह सोचो कि तुम्हारा नाम देश-विदेश में कितना ऊंचा हो जायेगा।' तो मेरे इस लेख के सुधि पाठको! अगर आपके आसपड़ोस में भी कोई गप्प हांकने वाला इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहता है तो वह हमारे मोहल्ले के गप्पू से संपर्क करे। पता अमिताभ बच्चन जी से पूछ लेना। जो पप्पू का पता, वही गप्पू का पता।

कुछ हटकर

बी फार्मेसी : हेल्थ सेक्टर में बनाएं मजबूत भविष्य

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ फार्मेसी (बी. फार्मेसी) चार वर्षीय स्नातक कोर्स है, जो छात्रों को फार्मासिस्ट बनने के लिए तैयार करता है। इसमें दवाओं के निर्माण, विश्लेषण, वितरण और रोगी परामर्श की जानकारी दी जाती है। 12वीं में पीसीबी /पीसीएम के साथ 45-50% अंक वाले छात्र इसके पात्र होते हैं। कोर्स में फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री और हेल्थकेयर मैनेजमेंट जैसे विषय शामिल हैं। यह डिग्री छात्रों में रिसर्च क्षमता, नैतिकता और वैज्ञानिक सोच विकसित करती है। साथ ही, क्लिनिकल फार्मेसी, ड्रग रिसर्च और क्वालिटी कंट्रोल जैसे क्षेत्रों में करियर के अवसर प्रदान करती है।

उच्च शिक्षा के मौके

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक यदि अपनी पढ़ाई आगे बढ़ाना चाहें तो उनके लिए कई विकल्प खुले हैं। उच्च शिक्षा से न केवल औषधि और हेल्थकेयर ज्ञान बढ़ता है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करियर के अवसर व्यापक हो जाते हैं।

उच्च शिक्षा कार्यक्रम

- मास्टर ऑफ फार्मेसी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल रिसर्च, रेगुलेटरी अफेयर्स या फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट
- पीएच डी फार्मास्यूटिकल साइंस/बायोटेक
- क्लीनिकल रिसर्च सर्टिफिकेशन
- रेगुलेटरी अफेयर्स सर्टिफिकेशन
- क्वालिटी असुरेन्स / गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज सर्टिफिकेशन
- मेडिकल राइटिंग सर्टिफिकेशन
- हेल्थकेयर आईटी सर्टिफिकेशन

आवश्यक कौशल

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। औषधि और हेल्थकेयर उद्योग में सफलता के लिए विद्यार्थियों में श्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान क्षमता, समस्या समाधान, टीमवर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसी विशेष क्षमताएं होना आवश्यक है।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में फार्मास्यूटिकल कंपनियों, हॉस्पिटल्स, रिसर्च लैब्स और कंसल्टिंग फर्मों में अवसर उपलब्ध हैं। आज के स्वास्थ्य और औषधि उद्योग में योग्य फार्मासिस्ट और रिसर्च प्रोफेशनल्स की मांग है। छात्र यहां ड्रग डेवलपमेंट, क्वालिटी कंट्रोल, क्लिनिकल फार्मेसी, रेगुलेटरी अफेयर्स, सेल्स, मार्केटिंग, शिक्षा और आईटी हेल्थकेयर में करियर बना सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों की निजी क्षेत्र में प्रारंभिक आय लगभग 3 से 5 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह आय 10 से 20 लाख वार्षिक तक पहुंच सकती है।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातकों के लिए फार्मास्यूटिकल, हेल्थकेयर और अनुसंधान विभागों में सम्मानजनक अवसर उपलब्ध हैं। यहाँ वे विभिन्न सरकारी हॉस्पिटल्स, अनुसंधान संस्थान और मेडिकल कॉलेजों में काम कर सकते हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में बैचलर ऑफ फार्मेसी स्नातक की प्रारंभिक आय 4 से 6 लाख वार्षिक होती है, जबकि उच्च पदों और अनुभव के साथ यह आय 12 से 15 लाख वार्षिक तक हो सकती है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

डिजिटल दुनिया में भटकने से बचें

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा अवसरों से भरे दौर में जी रहा है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने सीखने और आगे बढ़ने के अनगिनत रास्ते खोले हैं, लेकिन यही साधन ध्यान भटकाने का बड़ा कारण भी बन रहे हैं। नोटिफिकेशन, रील्स और लाइक्स की दौड़ में कई युवा घंटों बिताकर भी खालीपन महसूस करते हैं। इसलिए जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में रहते हुए भी फोकस बनाए रखा जाए। असल समस्या तकनीक नहीं, बल्कि उसका उपयोग है। वही मोबाइल हमें नई स्किल सिखा सकता है, ऑनलाइन कोर्स करा सकता है और करियर बनाने में मदद कर सकता है। फर्क सिर्फ इतना है कि हम उसे नियंत्रित करते हैं या वह हमें। आज "डिजिटल अनुशासन" अपनाना बेहद जरूरी है। जैसे पढ़ाई और फिटनेस के लिए समय तय करते हैं, वैसे ही डिजिटल उपयोग का समय भी सीमित होना चाहिए। ध्यान भटकने का कारण भी समझना जरूरी है। युवा मन स्वभाव से जिज्ञासु होता है और हर नई चीज आकर्षित करती है। सोशल मीडिया इसी मनोविज्ञान पर काम करता है, जिससे हम ज्यादा समय वहीं बिताएं। ऐसे में खुद से सवाल करें कि क्या हम समय निवेश कर रहे हैं या सिर्फ खर्च? इससे बचने के लिए कुछ आसान उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले, हर बार मोबाइल इस्तेमाल करने से पहले अपना उद्देश्य तय करें। रोज कम से कम 30 मिनट बिना किसी डिजिटल व्यवधान के पढ़ाई या नई स्किल सीखने में लगाएं। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करें, ताकि ध्यान बार-बार न भटके। सप्ताह में कुछ समय डिजिटल डिटॉक्स के लिए निकालें और उसे परिवार या खुद के विकास में लगाएं। साथ ही, दूसरों से तुलना करने से बचें और अपनी प्रगति पर ध्यान दें। सकारात्मक सोच भी बेहद जरूरी है। नकारात्मक कंटेंट से दूरी बनाकर प्रेरणादायक चीजों को अपनाएं। याद रखें, मन की शांति से ही ध्यान बढ़ता है, और शांति अनुशासन से आती है। डिजिटल युग में वही सफल होगा जो तकनीक का सही उपयोग करना जानता है। इसलिए तकनीक का उपयोग करें, उसका शिकार न बनें। युवा शक्ति किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यदि यह शक्ति ध्यान और ऊर्जा को सही दिशा दे, तो असंभव भी संभव हो सकता है। मोबाइल को अपने सपनों के बीच मत आने दें। उसे अपने सपनों तक पहुंचने का माध्यम बनाइए। क्योंकि अंततः जीत उसी की होती है, जो स्वयं पर नियंत्रण रखता है।

लघु कथा

सुख

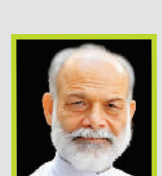

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्यकार एवं पूर्व शिक्षक

श्रद्धा ने नाराजगी से कहा, "हां, बोलो, क्यों बुलाया मुझे यहां ?"

परेश ने धीमे स्वर में जवाब दिया, "बस... तुम्हें देखने का मन था, इसलिए बुला लिया।"

श्रद्धा का चेहरा कठोर हो गया- "अपने मन को काबू में रखो। अब हमारे बीच कुछ नहीं रहा। मैंने पहले ही बता दिया था कि मेरी शादी तय हो चुकी है। आगे से मुझे फोन करने की भी जरूरत नहीं है।"

परेश ने विनम्रता से कहा, "यहां सड़क पर खड़े होकर बात करना ठीक नहीं। चलो, सामने कैफे में या पार्क में बैठते हैं। हमने इतने साल साथ बिताए हैं, क्या सब कुछ ऐसे ही खत्म कर दोगी?" उसकी आंखों में नमी झलक रही थी।

श्रद्धा ने ठंडी आवाज में कहा, "मेरे पिता ने मेरा रिश्ता तय कर दिया है। दस दिन बाद मेरी शादी है और मैं पोलैंड चली जाऊंगी। जो कुछ हमारे बीच था, अब वह खत्म हो चुका है। शायद वह प्यार नहीं, बस एक भूल या जवानी का जोश था। जिंदगी बसाने के लिए समझदारी जरूरी होती है।"

परेश का दिल टूट गया। उसने कांपती आवाज में पूछा, "और जो तुम्हारे पेट में पल रहा है . मेरा बच्चा... उसका क्या होगा?"

श्रद्धा ने बेरुखी से कहा, "अभी सिर्फ दो महीने हुए हैं। वहां जाकर मैं उसे गिरा दूंगी। यह मेरी अपनी समस्या है, तुम इसमें मत पड़ो।"

परेश की आवाज भर्रा गई, "तुमने तो मेरे साथ जीवन बिताने की कसमें खाई थीं।"

श्रद्धा ने कड़वे स्वर में कहा, "हां, खाई थीं। लेकिन बाद में समझ आया कि तुम मुझे वह सुख-सुविधाएं नहीं दे सकते जो मेरा होने वाला पति देगा। उसके पास पैसा है, अच्छा करियर है। मैं अपने भविष्य के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहती।"

परेश ने आखिरी बार कहा, "मैं अमीर नहीं हूं, लेकिन हमारा प्यार सच्चा था... उसकी कोई कीमत नहीं?"

श्रद्धा ने गुस्से में कहा, "अगर तुम्हें उसी में जीना है, तो जीते रहो। मुझे अपनी जिंदगी आराम से जीनी है। बिना पैसे के वह संभव नहीं। बेहतर है तुम अपने रास्ते चलो और मैं अपने।" इतना कहकर वह मुड़ी और तेज कदमों से चली गई। परेश वहीं खड़ा रह गया, टूटे हुए सपनों और बिखरे विश्वास के साथ, उसे दूर जाते हुए देखता रहा।

खबर संक्षेप

अमेरिकी ट्रेड डील से खतरा : बृजेंद्र सिंह

भट्टूकलां। पूर्व सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बृजेंद्र सिंह की अगुवाई में निकाली जा रही सद्भाव यात्रा अपने 168वें दिन में प्रवेश कर गई है। रविवार को फतेहाबाद हल्के के गांव ढाण्ड से शुरू होकर बनावाली और किरढाण होते हुए यह यात्रा भट्टू मंडी पहुंची, जहां एक विशाल जनसभा के साथ इसका समापन हुआ। इस दौरान बृजेंद्र सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार की विदेश व्यापार नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए आगाह किया कि नई अंतरराष्ट्रीय ट्रेड डील भारतीय कपास किसानों और कपड़ा उद्योग के लिए 'डेथ वारंट' साबित हो सकती है। जनसभा को संबोधित करते हुए बृजेंद्र सिंह ने कहा कि अमेरिका और बांग्लादेश के बीच होने वाली संभावित ट्रेड डील भारत की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ देगी।

नाथुसरी चोपटा क्षेत्र में पहुंची सद्भावना यात्रा

चौपटा। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने ऐलनाबाद हलके में नाथुसरी चोपटा क्षेत्र में पहुंची सद्भाव यात्रा के दौरान कहा कि क्षेत्रीय दलों के सहारे बीजेपी का मुकाबला करना एक सभंव नही है क्योंकि क्षेत्रीय दल समाज के एक वर्ग तक सीमित होते हैं। सिर्फ कांग्रेस ही बीजेपी का मुकाबला कर सकती है जो सभी वर्गों को साथ लेकर चलती हो। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही सद्भाव यात्रा रविवार को अपने 169 वें दिन ऐलनाबाद हलके में पहुंची जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने यात्रा का भव्य स्वागत किया।

भारतीय मजदूर संघ सिरसा का हुआ अधिवेशन

सिरसा। भारतीय मजदूर संघ, जिला सिरसा का अधिवेशन स्वामी विवेकानंद भवन में हुआ जिसकी अध्यक्षता संघ के जिला उपाध्यक्ष सुरेश ने की जबकि मंच संचालन जिला मंत्री चरणजीत वर्मा ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री सोहनलाल गुप्ता ने संगठन की शक्ति, श्रमिक एकता एवं वर्तमान चुनौतियों पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए कार्यकर्ताओं में नया जोश एवं ऊर्जा भरी। अधिवेशन में विभिन्न विभागों एवं संगठनों से आए लगभग 127 पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान श्रमिकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर जोरदार चर्चा हुई। विशेष रूप से जॉब सिक्योरिटी एक्ट के लगातार लटकने पर सरकार के प्रति गहरा रोष व्यक्त किया गया।

डीएसपी राज सिंह ने किया जनसंवाद

सिरसा। डीएसपी राज सिंह रविवार को गांव थेहड़ी बाबा सावन सिंह, कंवरपुरा में पहुंचे और ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। गांव के गणमान्य नागरिक, युवा वर्ग, महिलाएं एवं पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। डीएसपी राज सिंह ने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर अभिशाप है, जो विशेष रूप से युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेकर उनके भविष्य को अंधकारमय बना देता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए आगे आएं और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति अपनी अहम जिम्मेदारी निभाए।

शाह सतनाम जी गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय सम्मेलन

सिरसा। सिरसा, 22 मार्चः शाह सतनाम जी गर्ल्स कॉलेज, सिरसा में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड एनवायरनमेंटल एथिक्स सिविलाइजेशनल विजडम, इकोलॉजिकल कॉन्शसनेस एंड सस्टेनेबल फ्यूचर्स रहा। यह आयोजन आईक्यूएसी के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलपति प्रो. डॉ. विजय कुमार थे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं प्रो. डॉ. विनोद कुमार गर्ग (डीन, पर्यावरण एवं भू-विज्ञान संकाय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब) तथा प्रो. वंदना पूनिया और शाह सतनाम शिक्षण संस्थान की प्रबंधन समिति से चरणजीत सिंह इंसां व अन्य ने दीप प्रज्जवलन के साथ शुभारंभ किया।

जल प्रबंधन और स्थायित्व पर हुई विस्तृत चर्चा

सुजल ग्राम संवाद से जल प्रबंधन में जनभागीदारी बढ़ेगी : सीईओ सुरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति प्रणालियों के सुचारू संचालन, बेहतर रखरखाव और स्वच्छता से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा तथा जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय के निर्देशानुसार 'सुजल ग्राम संवाद' के पांचवें संस्करण का आयोजन किया गया। यह संवाद वर्चुअल माध्यम से आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने की। इस राष्ट्रीय स्तर के संवाद में देशभर की चुनिंदा ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने भाग लेते हुए ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणालियों के संचालन, रखरखाव और स्थायित्व से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। जिला परिषद फतेहाबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरेश कुमार ने लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ इस वर्चुअल संवाद में भाग लिया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन की सफलता केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए आमजन की सस्त्रि5य भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। सीईओ ने बताया कि इस संवाद के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें बिना किसी बाधा के जल आपूर्ति योजना का प्रभावी प्रबंधन, उपभोक्ता शुल्क संग्रह के माध्यम से वित्तीय आत्मनिर्भरता, ग्रे-वाटर का पुनत्न उपयोग एवं सुरक्षित निपटान, तथा स्वच्छ पेयजल का स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण पर सकारात्मक प्रभाव शामिल रहे। इस अवसर पर जिले के सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, विभिन्न ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधि, ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों के सदस्य तथा अन्य हितधारक भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े और अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते अधिकारी।

विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे

सीईओ सुरेश कुमार ने कहा कि सुजल ग्राम संवाद का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, जल गुणवत्ता, नियमित आपूर्ति और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, ताकि ग्रामीण स्वयं जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में अपनी जिम्मेदारी समझें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस कार्यक्रम को गंभीरता से लागू करते हुए गांव स्तर तक इसकी प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि जिले में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और जल महोत्सव 2026 के तहत जल जीवन मिशन की नई गाइडलाइन्स के अनुसार कार्य किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य तभी संभव है, जब ग्राम पंचायतें, जल एवं स्वच्छता समितियां और आमजन मिलकर सामूहिक रूप से कार्य करें। सीईओ ने कहा कि जल आपूर्ति प्रणालियों का नियमित रखरखाव, समय पर मरम्मत और स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित करना सभी की साझा जिम्मेदारी है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में मनाया विश्व जल दिवस

ओढां। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढां में विश्व जल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन कक्षा नौवीं की छात्रा आयुषी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा दस जमा दो की टीना ने विस्तारपूर्वक बताया कि आज किस तरह से भारत स्वच्छ पानी की कमी से जूझ रहा है और यदि हम अभी सचेत नहीं हुए तो आने वाले समय में काफी मुसीबतें आ सकती हैं। इसके बाद खुशबू ने कविता के माध्यम से सभी को जागरूक किया कि यदि जल को नहीं बचाया गया तो आने वाला कल बड़ा कष्टपूर्ण होगा। अंत में प्राचार्य ललित कालड़ा ने कहा कि जिस तरह से हम अपने आने वाले समय में आर्थिक समस्या से जूझने के लिए सोने व जमीन खरीदने में या शेयर खरीदने में रुपया लगाते हैं। इसी प्रकार आने वाले कल को सुरक्षित करने के पानी को भी बचाना चाहिए, नहीं तो एक विश्व युद्ध पानी की मारामारी के लिए भी हो सकता है।

नेटवर्क हाईजैक कर भेजे जा रहे फर्जी मैसेज

नकली मोबाइल टावर के जरिए हो रही ठगी से रहें सतर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन को नकली मोबाइल टावर और एसएमएस ब्लास्ट तकनीक के जरिए हो रही एक खतरनाक साइबर ठगी को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर सीधे मोबाइल नेटवर्क को निशाना बना रहे हैं, जिससे आम नागरिकों की निजी व बैंकिंग जानकारी खतरे में पड़ रही है।एसपी ने बताया कि इस प्रकार की ठगी में साइबर अपराधी पोर्टेबल उपकरणों की मदद से नकली मोबाइल टावर तैयार कर लेते हैं, जिन्हें कार, बैग या किसी स्थान पर छिपाकर लगाया जा सकता है। जब कोई मोबाइल फोन नेटवर्क सिग्नल खोजता है, तो वह सबसे मजबूत सिग्नल से कनेक्ट हो जाता है, जो कई बार यह नकली टावर होता है। इसके बाद मोबाइल को 4जी या 5जी जैसे सुरक्षित नेटवर्क से हटाकर 2जी नेटवर्क पर शिफ्ट कर दिया जाता है, जहां सुरक्षा कमजोर होती है। इसी स्थिति का फायदा उठाकर अपराधी एसएमएस ब्लास्ट के माध्यम से बड़े पैमाने पर फर्जी बैंक, केवाईसी, ओटीपी या सिम ब्लॉक होने से संबंधित संदेश भेजते हैं।

अनजान लिंक पर क्लिक न करें

एसपी ने लोगों को सावधान करते हुए बताया कि किसी भी अनजान या डर पैदा करने वाले एसएमएस में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें। मोबाइल फोन अचानक 4जी/5जी से 2जी नेटवर्क पर जाए तो तुरंत सतर्क हो जाएं। जहां संभव हो, मोबाइल सेटिंग में 2जी नेटवर्क का उपयोग बंद रखें। बैंक या सरकारी विभाग कभी भी एसएमएस के जरिए लिंक भेजकर जानकारी नहीं मांगते। मोबाइल फोन का सॉफ्टवेयर और सुरक्षा अपडेट समय-समय पर करते रहें।

मकान से लाखों के आभूषण व नकदी चोरी

ओढां। कालांवाली के वार्ड नंबर 10 में स्थित एक बंद पड़े मकान में चोर लाखों रुपए के आभूषण व नकदी चुरा कर ले गए। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी लेते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक जोनी खान ने बताया कि वह घर को ताला लगाकर अपने परिवार के साथ पंजाब क्षेत्र में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने हेतु गया हुआ था। दूसरे दिन अलसुबह जब वे घर लौटे तो देखा कि घर के ताले टूटे हुए थे। जोनी खान के मुताबिक चोर घर से 2 सोने की अंगूठियां, करीब 15 तोले चांदी के आभूषण व करीब 30 हजार रुपए की नकदी चोरी कर ले गए।

अलग-अलग जगहों से हेरोइन सहित दो आरोपी गिरफ्तार

14.090 ग्राम नशा बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सीआईए कालांवाली ने गश्त के दौरान अलग-अलग मामलों में 14.090 ग्राम हेरोइन सहित दो आरोपियों को काबू किया है। सीआईए कालांवाली प्रभारी सब-इंस्पेक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि एएसआई रामचंद्र पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौरान रेलवे ओवर ब्रिज मंडी कालांवाली से होते हुए न्यू हुडा सेक्टर होते हुए पुरानी मंडी कालांवाली की तरफ जा रहे थे। सामने से एक बाइक पर सवार युवक उनकी तरफ आता दिखाई दिया।पुलिस ने शक के आधार पर उक्त युवक को काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से 07.600 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। वहीं एक अन्य मामले में एएसआई दिलावर सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौरान गांव कालांवाली से गांव जलालआना रोड पर मौजूद थे। इस दौरान डबवाली रोड चौरसता से गांव कालांवाली की तरफ एक बाइक सवार उनकी तरफ आ रहा था। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त युवक को काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जा से 06.490 ग्राम हैरोइन बरामद हुई।

पुलिस कर्मियों ने किया श्रमदान

पुलिस ने स्वच्छ थाना-चौकी अभियान चलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस ने रविवार को स्वच्छ थाना-चौकी अभियान के तहत हाथों में झाड़ू थामकर थानों में साफ-सफाई की। अपराध नियंत्रण के साथ-साथ पुलिस अब स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिक-हितैषी कार्यस्थल बनाने को प्राथमिकता दे रही है। रविवार सुबह जिले के सभी थानों में एक अलग ही ऊर्जा देखने को मिली। पुलिसकर्मी स्वयं झाड़ू, ब्रश, कूड़ेदान, पेंट ब्रश और पौधे लेकर थानों की सफाई, रिकॉर्ड रूम की व्यवस्था, पेंटिंग और सौंदर्यीकरण में जुटे नजर आए। दो घंटे तक पुलिस कर्मचारियों ने थानों में श्रमदान किया। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि जब थाना स्वच्छ और व्यवस्थित होगा तो पुलिस कर्मियों का मनोबल भी ऊंचा होगा और जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। थानों का वातावरण बदलने से पुलिस कर्मियों में टीमवर्क बढ़ा है और जनता के लिए ज्यादा सहज एवं सम्मानजनक माहौल तैयार हुआ है। अभियान के चलते कई थानों में साफ-सुथरे शौचालय है। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

फतेहाबाद। थानों में श्रमदान करते पुलिस कर्मचारी।

नशा पीड़ितों की काउंसलिंग कर उपचार दिलवाया

नशा मुक्ति टीम ने नागरिक अस्पताल में लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिले में पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में एसआई सुंदर के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद द्वारा नागरिक अस्पताल फतेहाबाद एवं सीएचसी रतिया में दाखिल नशा पीड़ितों की काउंसलिंग की गई तथा दो पीड़ितों को उपचार हेतु दाखिल करवाया गया। इस दौरान पीड़ितों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें नियमित उपचार लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसके उपरांत टीम द्वारा गांव नंगल में विशेष जागरूकता अभियान चलाते हुए आमजन को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया। अभियान के दौरान दो नव चिन्हित तथा 6 उपचाराधीन पीड़ितों के अतिरिक्त भड़ोलांवाली, बहबलपुर, मुस्सेअहली व हरिपुरा गांवों से एक-एक पीड़ित सहित कुल 05 नए पीड़ितों को चिन्हित किया गया। सभी चिन्हित पीड़ितों की काउंसलिंग करने के उपरांत उन्हें आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं तथा उनके परिवारजनों को भी सहयोग हेतु प्रेरित किया गया। दूसरी ओर सहायक उपनिरीक्षक सज्जन कुमार के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान के तहत टोहाना मंडल क्षेत्र में भी व्यापक स्तर पर कार्यवाही की गई।

फतेहाबाद। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करते एसआई सुंदर।

दवाइयां की वितरित

टीम द्वारा टोहाना शहर के राजनगर, इंदिरा कॉलोनी एवं गांव प्रेम नगर में नशा पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी काउंसलिंग की गई। जरूरतमंद पीड़ितों को आयुष दवाइयां वितरित की गई तथा उन्हें लगातार उपचार जारी रखने के लिए प्रेरित किया गया।

आरोही मॉडल स्कूल में 280 परीक्षार्थियों ने दी प्रवेश परीक्षा

चौपटा। चौपटा खंड के गांव नाथूसरी कलां स्थित आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छठी, 7वीं, 8वीं, 9वीं व 11वीं कक्षा प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रवेश परीक्षा के लिए 321 विद्यार्थियों ने आवेदन किया तथा 280 परीक्षार्थीयों ने परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा का परिणाम 30 मार्च को घोषित किया जाएगा। स्कूल के मुखिया मनोज कुमार ने बताया कि आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल नाथूसरी कलां में कक्षा छठी, 7वीं, 8वीं, 9वीं व 11वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। प्रवेश परीक्षा के लिए विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया।

डॉग स्क्वॉड व कमांडो टीम के साथ पुलिस ने चलाया तलाशी अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

क्षेत्र में नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर थाना सदर रतिया पुलिस द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया गया। यह अभियान थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें डॉग स्क्वॉड तथा कमांडो टीम का विशेष सहयोग लिया गया। अभियान का उद्देश्य नशा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों की जांच तथा आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना को मजबूत करना रहा। तलाशी अभियान के दौरान थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थानों, सार्वजनिक स्थलों, गली-मोहल्लों, संदिग्ध ठिकानों व आवागमन वाले मार्गों पर गहन जांच की गई। डॉग स्क्वॉड की सहायता से नशीले पदार्थों की संभावित मौजूदगी वाले स्थानों को विशेष रूप से खंगाला गया, वहीं कमांडो टीम द्वारा क्षेत्र में सतर्क निगरानी रखी गई। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया तथा नशे से दूर रहने की अपील की।

रतिया। क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाते पुलिस टीम।

मोहम्मद अली हत्याकांड मामले में चौथे आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। जून 2023 के चर्चित मोहम्मद अली उर्फ काला हत्याकांड मामले में थाना शहर टोहाना पुलिस ने चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान गोविंद शर्मा पुत्र महेंद्र सिंह निवासी मनाना, जिला पानीपत के रूप में हुई है। सीआईए टोहाना के प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 30 जून 2023 को दर्शना निवासी गीता कॉलोनी, टोहाना की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने कहा था कि उसका पुत्र मोहम्मद अली उर्फ काला, जो पेशे से ड्राइवर था, 24 जून 2023 से लापता है। इस शिकायत पर थाना शहर टोहाना में मामला दर्ज किया गया था। मामले की गहन जांच, सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण तथा सूचना के आधार पर जांच के दौरान यह सामने आया कि मोहम्मद अली की हत्या कर दी गई थी।

पुरानी इमारतें नहीं बनने दी जाएंगी अपराध का अड्डा

पुलिस प्रशासन ने दिखाई सख्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के सख्त दिशा-निर्देशानुसार जिलेभर में लंबे समय से खाली पड़ी पुरानी एवं खंडरनुमा इमारतों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी जारी की है कि किसी भी स्थिति में ऐसी इमारतों को असामाजिक तत्वों, अपराधियों अथवा अवांछनीय गतिविधियों का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। एसपी द्वारा सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को कड़े आदेश दिए गए हैं कि अपने-अपने क्षेत्राधिकार में स्थित प्रत्येक खाली, जर्जर एवं खंडरनुमा इमारत की नियमित एवं सघन जांच सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता अथवा आदेशों की अवहेलना पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा विशेष चैकिंग अभियान निरंतर चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों के दौरान प्रत्येक संदिग्ध एवं अनुपयोगी भवन की गहन जांच की जा रही है।

विद्यार्थियों ने अमृतसर का किया शैक्षणिक भ्रमण

इतिहास और आस्था को करीब से जाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओढां

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खाई शेरगढ़ का शैक्षिक भ्रमण के लिए विद्यार्थियों का टूर अमृतसर के लिए रवाना हुआ। वहां पर अमृतसर में श्री स्वर्ण मंदिर, जलियांवाला बाग और अटारी बॉर्डर का भ्रमण करवाया गया। इस शैक्षिक भ्रमण में 55 विद्यार्थियों के साथ स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। शैक्षिक भ्रमण को प्रधानाचार्य सुच्चा सिंह ने हरी झंडी देकर रवाना किया और सभी को शुभकामनाएं दी। शैक्षिक भ्रमण के लिए स्टाफ सदस्यों की अलग-अलग कमेटी बनाई गई जिसमें स्वर्ण मंदिर दिखाने के लिए अमरजीत और बीना की निगरानी में बच्चों ने भ्रमण किया। उन्होंने बच्चों को स्वर्ण मंदिर दिखाने के साथ-साथ उनके इतिहास के बारे में बच्चों को अवगत करवाया। जलियांवाला बाग के लिए जसवंत सिंह और अनुराग की निगरानी में जलियांवाला बाग का भ्रमण करवाया गया। बताया गया है कि किस प्रकार ब्रिटिशराज में हमारे देश के लोगों पर बर्बरतापूर्वक उन्हें जान से मारा गया।

जेसीडी शिक्षण महाविद्यालय की ओर से एनएसएस शिविर का शुभारंभ

एनएसएस से युवाओं का सर्वांगीण विकास संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जेसीडी शिक्षण महाविद्यालय की ओर से रविवार को साप्ताहिक एनएसएस शिविर का विधिवत शुभारंभ महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में किया गया। यह शिविर निकटवर्ती ग्राम हांडी खेड़ा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्वयंसेवक विभिन्न सामाजिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश थे जबकि अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. सुधांशु गुप्ता ने की। मुख्यातिथि डॉ. जयप्रकाश ने राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भावना का विकास करते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और एनएसएस जैसे मंच उन्हें अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाने का अवसर प्रदान करते हैं।

सिरसा। रैली के माध्यम से लोगों को जागरुक करते हुए।

पहले दिन निकाली जागरूकता रैली

शिविर के प्रथम दिन स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की तथा एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। इस रैली के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया। साथ ही मुख्यातिथि एवं अन्य अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सत्यनारायण ने किया।

खबर संक्षेप

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार

चौपटा। नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने बाइक चोरी के आरोपी को माखोसरानी मोड़ चोपटा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। नाथूसरी चौपटा थाना प्रभारी ने बताया कि हरदत निवासी गांव कागदाना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती 18 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे उसने अपनी बाइक बस स्टेंड चौपटा में खड़ी कर किसी काम के लिए चला गया। शाम करीब 6 बजे वापस आकर देखा तो बाइक कोई अज्ञात युवक चोरी करके ले गया था।

हैरोइन सहित महिला सहित दो युवक गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद व एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस टीम ने गश्त के दौरान विभिन्न जगहों से महिला सहित दो युवकों को हजारों रुपए की 15 ग्राम 33 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम के प्रभारी ने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की पुलिस टीम रानियां से होते हुए गांव ढाणी सतनाम सिंह की ओर जा रही थी। इस दौरान पुलिस पार्टी जब ढाणी सतनाम सिंह के पास पहुंची तो सामने से एक गाड़ी आती हुई दिखाई दी जिसने पुलिस की गाड़ी देखकर वहां से देखकर वापस मोडक़र भागने का प्रयास किया।

भाजपा राज में होगा पंजाब का विकासः रातुसरिया

सिरसा। वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप रातुसरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में पंजाब में भाजपा सरकार बनने के बाद हरियाणा की तर्ज पर महिला, किसान, मजदूर, युवा सहित सभी वर्गों के हितों की योजनाएं लागू की जाएंगी। आम आदमी पार्टी ने पंजाब को विकास के मामले में पीछे धकेल दिया है। ऐसी व्यवस्था से तंग आकर अधिकारी भी अपनी जान देने पर मजबूर है, जोकि निंदनीय है।

विनोद गोदारा ने योगासन चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

सिरसा। ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज योगासन चैंपियनशिप में सिरसा निवासी विनोद गोदारा ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए ऑल इंडिया सिविल सर्विस चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर हैट्रिक बनाई है। उनकी इस हैट्रिक से न केवल सिरसा, बल्कि प्रदेश का नाम भी देश के पटल पर चमका है। विनोद गोदारा वर्तमान में गांव ताजियाखेड़ा के राजकीय स्कूल में बतौर डीपीई कार्यरत हैं। विनोद गोदारा ने कहा कि उनकी यह सफलता वर्षों की तपस्या का परिणाम है। वे अपने कॉलेज के दिनों में भी ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी योग चैंपियनशिप में चैंपियन रहे थे।

निगम प्रबंधन ने परियोजना के लिए निजी फर्मों से आवेदन आमंत्रित किए

किसानों को जल्द मिलेंगे ट्यूबवेल कनेक्शन, निगम ने 457 कनेक्शनों को दी मंजूरी, 5.33 करोड़ रुपये होंगे खर्च

फतेहाबाद। खेत में चलता ट्यूबवैल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने जिले में लंबित पड़े कृषि ट्यूबवेल कनेक्शनों को जारी करने की कार्ययोजना को अपनी मंजूरी दे दी है। इस योजना के पहले चरण में कुल 457 नए ट्यूबवेल कनेक्शन जारी किए जाएंगे, जिस पर निगम करीब 5 करोड़ 33 लाख रुपए की राशि खर्च करने जा रहा है। निगम प्रबंधन ने इस परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए निजी फर्मों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। कार्यकारी अभियंता अशोक कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

बता दें कि फतेहाबाद जिले के किसान पिछले काफी समय से नए ट्यूबवेल कनेक्शन जारी करने की मांग कर रहे थे। पर्याप्त सिंचाई सुविधाओं के अभाव में किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अपनी मांगों को मनवाने के लिए किसान संगठनों ने बिजली निगम के कार्यालयों पर कई बार धरने-प्रदर्शन भी किए थे। अब निगम के इस फैसले से किसानों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

▶▶ *इस परियोजना के तहत केवल कनेक्शन ही नहीं दिए जाएंगे, बल्कि बिजली के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत किया जाएगा। योजना के अनुसार, जिले में नई 11 केवी और एलटी लाइनों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही नए ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए जाएंगे और जहां आवश्यकता होगी, वहां पुराने ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता में वृद्धि की जाएगी। इस पूरे प्रोजेक्ट में साइट सर्वेक्षण, डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण और असेंबली जैसे सभी तकनीकी चरणों को शामिल किया।*

फर्मों के माध्यम से पूरा होगा कार्य

बिजली निगम ने स्पष्ट किया है कि यह पूरा कार्य अनुभवी फर्मों के माध्यम से करवाया जाएगा। संबंधित फर्मों की जिम्मेदारी सामग्री की लोडिंग, परिवहन, अनलोडिंग, बीमा और साइट पर सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करने की होगी। स्थापना के बाद अंतिम चरण में परीक्षण और कमीशनिंग कर इन कनेक्शनों को विधिवत रूप से चालू किया जाएगा।

नकृषि उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से न केवल सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि कृषि उत्पादन में भी बढ़ोतरी होगी। जिले के सैकड़ों किसानों को अब अपनी फसलों की सिंचाई के लिए अन्य साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे खेती की लागत में भी कमी आएगी।

पिछले कई सालों से ट्यूब्वैलों के कनैक्शन पेंडिंग थे। सिक्योरिटी भी भर रखी थी लेकिन कनैक्शन जारी नहीं किए थे। अब आदेश मिलने पर किसानों को कनैक्शन देने की प्रक्रिया शुरू हुई है। पहले चरण में कुल 457 कनेक्शन जारी होंगे, जिस पर निगम करीब 5 करोड़ 33 लाख रुपए खर्च करेगी।
-अशोक कुमार, कार्यकारी

अब केन्द्रीय सतर्कता आयोग करेगा जांच

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा जाखल रेलवे अंडरपास, 9 साल बाद भी अधूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले के जाखल में रेलवे अंडरपास निर्माण में हो रही देरी और कथित अनियमितताओं का मामला अब दिल्ली के गलियारों तक पहुंच गया है। नौ साल बीत जाने के बावजूद अधूरा पड़ा यह प्रोजेक्ट अब केंद्रीय सतर्कता आयोग और प्रधानमंत्री कार्यालय की सीधी निगरानी में आ गया है। इंटरनैशनल ह्यूमन राइट्स काउंसिल की शिकायत के बाद केंद्र सरकार ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है।

फतेहाबाद। जाखल में अधूरा पड़ा रेलवे अंडरपास। फोटो : हरिभूमि

बता दें कि इस बहुप्रतीक्षित रेलवे अंडरपास का शिलान्यास वर्ष 2017 में टोहाना के तत्कालीन विधायक एवं वर्तमान में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला द्वारा किया गया था। उस समय स्थानीय निवासियों को उम्मीद थी कि जल्द ही उन्हें रेलवे क्रॉसिंग के जाम से मुक्ति मिलेगी। हालांकि, वक्त बीतता गया और करीब 9 साल का लंबा अरसा गुजर जाने के बाद भी यह निर्माण कार्य मुकम्मल नहीं हो सका है। वर्तमान में स्थिति यह है कि जनता की सुविधा के लिए बनाया गया यह प्रोजेक्ट खुद एक बड़ी असुविधा बन चुका है।

15 करोड़ खर्च, पर उद्घाटन से पहले ही मरम्मत की नौबत

इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि इस परियोजना पर अब तक 15 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी राशि खर्च की जा चुकी है, लेकिन धरातल पर काम आज भी अधूरा है। हैरानी की बात यह है कि जिस अंडरपास का अभी तक औपचारिक उद्घाटन भी नहीं हुआ है, वहां अब पेच वर्क करवाया जा रहा है। डॉ. शर्मा ने इसे सरकारी धन का खुला दुरुपयोग और भ्रष्टाचार का जीता-जागता उदाहरण बताया है।

शिकायत पर सीवीसी और पीएमओ ने लिया संज्ञान

निर्माण कार्य में हो रही धांधली और देरी को लेकर डॉ. राजेश शर्मा ने इसी साल फरवरी माह में रेल मंत्रालय को एक विस्तृत शिकायत भेजी थी। उनकी शिकायत में निर्माण की गुणवत्ता और बजट के इस्तेमाल पर सवाल उठाए गए थे। डॉ. शर्मा ने रविवार को अपने कार्यालय में पुष्टि की कि उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अब यह मामला प्रधानमंत्री कार्यालय और केंद्रीय सतर्कता आयोग में दर्ज कर लिया गया है।

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

डॉ. राजेश शर्मा ने उम्मीद जताई है कि केंद्रीय एजेंसियों की जांच से इस पूरे मामले की परतों के पीछे छिपा सच सामने आएगा। उन्होंने मांग की है कि इस प्रोजेक्ट को लटकाने वाले और जनता के पैसे की बर्बादी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। स्थानीय लोगों में भी इस बात को लेकर संतोष है कि अब इस मामले की जांच उच्च स्तर पर होगी, जिससे शायद इस अंडरपास का निर्माण जल्द पूरा हो सके।

सांसद ने किया 19 लाख से बने बस स्टैंड का उद्घाटन

टोहाना। तलवाड़ा में बस स्टैंड का उद्घाटन करते सांसद सुभाष बराला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को गांव तलवाड़ा में नवनिर्मित बस स्टैंड का उद्घाटन किया। इस बस स्टैंड के निर्माण पर करीब 19 लाख रुपये की लागत आई है। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नए बस स्टैंड के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और यात्रियों को बेहतर इंतजार स्थल उपलब्ध होगा।

सांसद ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सडक़ों का विस्तार, पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने, स्वच्छता अभियान, बिजली आपूर्ति में सुधार तथा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों का उन्नयन और डिजिटल सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। सांसद ने विशेष रूप से पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायतों को अधिक अधिकार प्रदान किए हैं, जिससे वे अपने स्तर पर विकास कार्यों की योजना बनाकर उन्हें प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। उन्होंने बताया कि पंचायतों को पर्याप्त वित्तीय ग्रांट भी उपलब्ध करवाई जा रही है, ताकि गांवों में आधारभूत ढांचे का विकास तेज गति से हो सके और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार कार्य कराए जा सकें।

बाला जी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु देर रात तक गूंजे भक्ति गीत

टोहाना। जागरण में सांसद सुभाष बराला को सम्मानित करते आयोजक।

टोहाना। शहर के कैंची चौक स्थित संकट मोचन श्री बाला जी मंदिर में 27वें विशाल जागरण का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और भगवान बाला जी के दर्शन कर प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई, भजन गायकों द्वारा प्रस्तुत भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर सुभाष बराला ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज में एकता, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुडने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजन समिति के समर्पण, अनुशासन और बेहतर प्रबंधन की सराहना करते हुए सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यों को बधाई दी।

एड्स अब लाइलाज नहींः सुमित

- एड्स की समय पर जांच कराना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा एड्स कंट्रोल सोसायटी पंचकूला के मार्गदर्शन में टी.आई प्रोजेक्ट शांति युवा मंडल द्वारा रतिया की बड़ी नहर के समीप राम नगर कॉलोनी में कम्युनिटी इवेंट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने युवाओं को नशे की गर्त से बाहर निकलने और एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक रहने का कड़ा संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोजेक्ट मैनेजर सुमित शर्मा ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति में एड्स अब लाइलाज नहीं रह गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते बीमारी की पहचान कर ली जाए और सही उपचार शुरू हो, तो संक्रमित व्यक्ति भी एक सामान्य और लंबा जीवन जी सकता है। शर्मा ने एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह थेरेपी वायरस के स्तर को कम करने और संक्रमण को फैलने से रोकने में बेहद प्रभावी सिद्ध हो रही है। नागरिक अस्पताल से मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे डॉ. दीप सिंह ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगाड़ता है, बल्कि यह सामाजिक अपराध और आर्थिक बर्बादी का भी मुख्य कारण बनता जा रहा है। उन्होंने जानकारी साझा की कि सरकारी अस्पतालों में नशा मुक्ति के लिए निशुल्क और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसका लाभ उठाकर युवा मुख्यधारा में लौट सकते हैं।

रतिया। रस्साकसी प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

रस्साकसी में शगुन की टीम रही प्रथम

रतिया। खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से नागर स्पोट्र्स टैलेंट लाइव एकेडमी द्वारा राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कोच रघुवीर सिंह और सपना रानी के मार्गदर्शन में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में नन्हे खिलाडिय़ों ने उत्साह के साथ अपनी खेल कुशलता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी दयानंद स्कूल के डायरेक्टर भूषण बजाज, सुखदीप और पूर्ण महता ने शिरकत की। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और खिलाडिय़ों को खेल भावना के साथ आगे बढने के लिए प्रेरित किया। कोच रघुवीर सिंह ने रविवार को प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए। रस्साकसी प्रतियोगिता के अंडर-17 लडक़ों के वर्ग में कुल 4 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें शगुन की टीम विजेता बनी। लड़कियों के वर्ग में प्रेमिका की टीम ने बाजी मारी। अंडर-12 लडक़ों में अंश की टीम ने जीत दर्ज की, जबकि लड़कियों के वर्ग में करनदीप चौहान की टीम विजेता रही। बैक थ्रो अंडर-14 लड़कियों के रोमांचक मुकाबले में पल्लवी ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, तमन्ना दूसरे और खुशबू तीसरे स्थान पर रहीं।

विश्व जल दिवस पर चला जनजागरूकता अभियान

सिरसा। विश्व जल दिवस पर जनजागरूकता अभियान के तहत लोगों को जागरुक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ओढां। विश्व जल दिवस पर जनजागरूकता अभियान के तहत शिक्षक नरेश कुमार ग्रोवर ने जागरूकता अभियान आरंभ करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग से घर-घर तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जल बचाएं, जीवन बचाएं केवल नारा नहीं, बल्कि आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। घटते जल स्रोतों को देखते हुए हम सभी का दायित्व है कि वर्षा जल का संग्रह करें तथा जल के प्राकृतिक स्रोतों को बढ़ाने में अपना योगदान दें। जल प्रकृति की अमूल्य देन है, जिसका महत्व हमें तब समझ आता है जब यह समाप्ति की ओर बढ़ता है।

आरपीएस विद्यालय में गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन

महेंद्रगढ़। आरपीएस विद्यालय ने अपनी सुविधाओं में विस्तार करते हुए छात्राओं के लिए एक नवनिर्मित एसी गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ गर्ल्स हॉस्टल में आयोजित भव्य हवन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में आरपीएस प्रबंधन समिति की सेक्रेटरी बिमला देवी, एडवोकेट नरेन्द्र राव, चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रेम राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सेक्रेटरी बिमला देवी ने कहा कि एक शिक्षित बेटी न केवल परिवार, बल्कि पूरे समाज का भविष्य संवारती है। उन्होंने बेटियों के आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल देते हुए इस आधुनिक छात्रावास को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया। ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि उनका उद्देश्य बेटियों को केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें एक ऐसा सुरक्षित और घर जैसा पोषणकारी वातावरण प्रदान करना है।

फतेहाबाद में मिले 2019 मरीज सरकार प्रतिमाह दे रही एक हजार रुपये

सरकार टीबी मरीजों को दे रही आर्थिक सहायता

सद्भावना अस्पताल में जागरूकता अभियान, डॉक्टरों ने दी सलाह : समय पर जांच और पूरा इलाज ही बचाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

विश्व टीबी दिवस के अवसर पर शहर के सद्भावना अस्पताल में इस रोग प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सेमिनार का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुए लोगों से समय रहते जांच कराने और पूरा इलाज लेने की अपील की।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अंशुल सहगल ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है, लेकिन इसके बैक्टीरिया शरीर के

फतेहाबाद। पत्रकारों से बातचीत करते डॉ. अंशुल सहगल। फोटो : हरिभूमि

अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस बीमारी की समय पर पहचान हो जाए और मरीज नियमित रूप से दवाइयां ले, तो टीबी पूरी तरह से ठीक हो सकती है। कई बार लोग शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। डॉ. सहगल के अनुसार लगातार दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी रहना, वजन का तेजी से कम होना, शाम के समय बुखार आना, रात को अत्यधिक पसीना आना और कमजोरी महसूस होना टीबी के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में जांच करवानी चाहिए।

टीबी का इलाज बीच में छोडना सबसे बड़ी गलती : डॉ. सुमित

डॉ. सुमित भाटी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकारी अस्पतालों में टीबी की जांच और उपचार की पूरी सुविधा मुफ्त उपलब्ध है। इसके अलावा मरीजों को पौष्टिक आहार के लिए एक हजार रुपये प्रति माह की आर्थिक सहायता भी दी जाती है, ताकि इलाज के दौरान उनका स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। उन्होंने बताया कि टीबी का इलाज बीच में छोडना सबसे बड़ी गलती होती है। कई मरीज कुछ समय बाद खुद को बेहतर महसूस करने लगते हैं और दवाइयां लेना बंद कर देते हैं, जिससे बीमारी दोबारा और ज्यादा खतरनाक रूप में सामने आ सकती है। इसलिए डॉक्टर की सलाह के अनुसार पूरा कोर्स करना बेहद जरूरी है।

टीबी से बचाव के लिए मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बेहद जरूरी

प्रेस वार्ता के दौरान डॉक्टरों ने यह भी बताया कि टीबी से बचाव के लिए साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन और मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बेहद जरूरी है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सावधानी बरतनी चाहिए और खांसी या छींक आने पर मुंह को ढकना चाहिए। इससे संक्रमण के फैलने की संभावना कम होती है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से भी लोगों से अपील की गई कि वे टीबी के प्रति जागरूक रहें और यदि आसपास किसी व्यक्ति में इसके लक्षण दिखाई दें तो उसे जांच और उपचार के लिए प्रेरित करें। डॉक्टरों ने कहा कि समाज की जागरूकता और सहयोग से ही टीबी जैसी बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। अंत में डॉक्टरों ने संदेश दिया कि टीबी का समय पर पता लगना और नियमित उपचार ही इस बीमारी से पूरी तरह छुटकारा दिलाने का सबसे प्रभावी तरीका है। जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ ही हम एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं।

पिछली बार मिले थे 2019 मरीज

अगर पंचायत लगातार तीसरी बार टीबी मुक्त घोषित हुई है तो उसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्वर्ण प्रतिमा और दूसरी बार हो रही है तो रजत और पहली बार टीबी मुक्त घोषित हुई है तो उसे कांस्य प्रतिमा देकर सम्मानित किया जाता है। जिले में पिछले साल स्क्रीनिंग के दौरान 2019 टीबी मरीज मिले। इसमें 56 बच्चे भी शामिल हैं। वर्ष 2024 में 2397 मरीज मिले थे।

भूना। श्री राम कथा के दौरान साध्वी करुणा गिरी जी महाराज। फोटो : हरिभूमि

राम कथा में पुष्प वाटिका व धनुष भंग प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन, श्रद्धालु भक्ति में सराबोर

भूना। जय बाबा राणाधीर जी मंदिर के पवित्र प्रांगण में चल रही श्रीराम कथा के चौथे दिन रविवार को भक्ति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। व्यास पीठ से परम पूज्य श्री श्री 1008 बाल योगिनी संत शिरोमणि साध्वी महामंडलेश्वर श्री करुणा गिरी जी महाराज ने भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े पुष्प वाटिका भ्रमण और धनुष भंग प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। साध्वी करुणा गिरी जी ने बताया कि पुष्प वाटिका प्रसंग भगवान श्रीराम और माता सीता के प्रथम दिव्य मिलन का प्रतीक है। जब गुरु विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को मिथिला लेकर पहुंचे, तब माता सीता गौरी पूजन के लिए पुष्प वाटिका में आईं।